अमर उजाला
अंबाला
चंडीगढ़, सोमवार, 5 दिसंबर, 2005

पंचांग

मंगलवार, 6 दिसंबर 2005

व्रत त्योहार–स्कंदषष्ठी, श्री बांके बिहारी जी प्रकटोत्सव, गुरु तेगबहादुर बलिदान दिवस, हेमंत ऋतु, सूर्य दक्षिणायन, दक्षिणगोले।

राहुकाल–दिन में 3.00 से 4.30 तक।

पंचांग–विक्रमी (विलंबी) संवत 2062, 15 मार्गशीर्ष शक 1927 मार्गशीर्ष मास, 21 प्रविष्टे, 03 जिल्काद हिजरी 1426 मार्गशीर्ष शुक्ल पंचमी 8.33 तक उपरांत षष्ठी, श्रवण नक्षत्र 13.52 तक उपरांत घनिष्ठा नक्षत्र, पंचक प्रारंभ 25.04 पर।

सूर्योदय 7.07 **सूर्यास्त 17.25**

अब सड़कों से भी बिजली उत्पादन संभव

अंबाला के युवा वैज्ञानिक प्रेम सिंह सैनी ने खोजी तरकीब

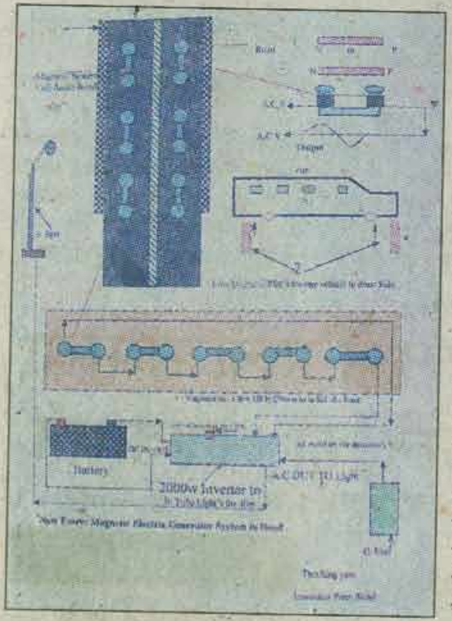

अमर उजाला ब्यूरो

अंबाला। राष्ट्रपति पुरस्कार से नवाजे जा चुके जिले के पसियाना के युवा वैज्ञानिक प्रेम सिंह सैनी ने दिमाग का इस्तेमाल करते हुए बिजली उत्पादन की नई तरकीब खोज निकाली है। उनकी नई तरकीब से सड़कों से भी बिजली का उत्पादन किया जा सकता है। इसके लिए उन्होंने मॉडल भी तैयार किया है, जिसकी राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने तारीफ की है। वहीं विज्ञान प्रसार से प्रेम को प्रशंसा पत्र भी प्राप्त हुआ है।

प्रेम सिंह सैनी ने बताया कि बिजली उत्पादन के इस प्रोजेक्ट पर उसे एक माह का समय लगा। जब यह तैयार हुआ तो वह बहुत खुश हुआ। वह कहता है कि अब सड़कें सिर्फ यातायात के लिए हीं बल्कि बिजली उत्पादन के भी काम में आएंगी। उसने बताया कि सड़कों के ठीक नीचे डायनमो लगाए जाएं और उसके ऊपर से जब गाड़ियां गुजरेंगी तो डायनमो में घर्षण होगा और इससे बिजली उत्पन्न होगी। वह कहता है कि यह प्रयोग सफल हो सकता है। जीटी रोड से लेकर शहरों के रोड तक भी इसका काफी लाभ मिलेगा क्योंकि दिन प्रति दिन वाहनों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में यदि यह प्रयोग किया जाए तो हरियाणा क्या पूरे देश में कहीं बिजली की समस्या नहीं रहेगी। उसने बताया कि डायनमो के तार के साथ ही बैटरी जुड़ी होंगी और वहां बिजली चार्ज होगी। इससे न सिर्फ स्ट्रीट लाइट जाने का झंझट खत्म होगा बल्कि शहरों के साथ-साथ ग्रामीण हलकों को भी बिजली मिल सकेगी। प्रेम सिंह सैनी ने बताया कि उसने अपना यह प्लान विज्ञान प्रसार और हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड के पास भेजा था, जहां से लोगों ने इस प्रोजेक्ट की तारीफ की है। उसने बताया कि हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड के एमडी से इस संबंध में बात भी चल रही है। उसे आशा है कि वे इस प्रोजेक्ट में रुचि लेते हुए जल्द ही इसके बारे में सोचेंगे। उसका कहना है कि इसके जरिये दिन के समय बिजली को संरक्षित किया जा सकता है। इसके लिए बड़ी बैटरियों की आवश्यकता होगी। साथ ही रात के समय यदि कम वाहन भी सड़कों पर दौड़ेंगे तब भी इसका कोई विपरीत असर देखने को नहीं मिलेगा क्योंकि दिन के समय ही सारी बैटरियां चार्ज हो जाएंगी।

कुछ नया खोजने का जुनून

- मॉडल भी बनाया, राष्ट्रपति ने की तारीफ
- सड़कों पर डायनमो लगा कर पैदा की जा सकती है बिजली

वह बताते हैं कि 'इन उम्र लंबी सड़कों को मंजिल की तरफ जाता देखा नहीं'...फिल्म घरौंदा का यह गाना बार-बार उनके दिलोदिमाग में घूमता रहा। एक बार टेपरिकॉर्ड पर गाना सुनने का मन हुआ तो लाइट गुल हो गई। तब उनको बहुत कोफ्त हुई, लेकिन खुद को और बिजली विभाग को कोसने के अलावा उनके पास दूसरा चारा भी नहीं था। तभी उसके दिलोदानिश में ख्याल आया कि बिजली का उत्पादन कैसे बढ़ाया जाए और बिजली की समस्या का अंत हो सके। इसके बाद ही इस प्रोजेक्ट पर काम करना शुरू किया।

अंदाज : अंबाला

स्कूली बच्चों ने रैंप पर कि